Roll No.
रोल नं.

Series RKM

Code No.
कोड नं. **3/1**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 19 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks: 100*

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के* ***चार*** *खण्ड हैं क, ख, ग और घ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो शब्दों **या** एक-दो वाक्यों में दीजिए :

(क) भारत संघ की राजभाषा और उसकी लिपि का नाम लिखिए। 1

(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी का क्या आशय है? 1

(ग) पूर्वी हिन्दी की दो बोलियों के नाम लिखिए। 1

(घ) हिन्दी-दिवस कब और क्यों मनाया जाता है? 1

2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) पद किसे कहते हैं ? 1

(ख) इस पहाड़ की ______ बहुत कठिन है। (भाववाचक संज्ञा से रिक्त-स्थान की पूर्ति कीजिए) 1

(ग) दिन, अपमान। (विशेषण बनाइए) 1

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) जीवन में ऐसे बहुत से अवसर आएँगे जब तुम्हारी याद आएगी।
(आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए) 1

(ख) वर्षा आएगी। (संदेहवाचक वाक्य में बदलकर लिखिए) 1

(ग) गाड़ी धीमी गति से चल रही थी।
धुंध के कारण कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।
गाड़ी स्टेशन पर विलंब से पहुँची। (संयुक्त वाक्य में संश्लेषण कीजिए) 1

(घ) यदि समय पर पानी दोगे तो पौधे अच्छे पनपेंगे (अर्थ के अनुसार वाक्य-भेद बताइए) 1

4. (क) श्लेष **अथवा** उत्प्रेक्षा अलंकार का कोई एक उदाहरण दीजिए। 1

(ख) निम्नलिखित रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :

(i) <u>चरणकमल बन्दौं</u> हरिराई। 1

(ii) कहँ लगि कहौं <u>बनाइ बिबिध बिधि</u>। 1

(iii) वही <u>उठती उर्मियों-सी शैलमालाएँ</u> 1

खण्ड ख

5. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 100-125 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 8

(क) **<u>स्वाभिमान</u>**

- व्यक्तित्व का आन्तरिक गुण
- आत्मगौरव एवं आत्मप्रतिष्ठा-पर्याय
- साहस, वीरता, देशप्रेम आदि गुणों का जनक
- जाति एवं धर्म के प्रति निष्ठा-भाव का कारण
- लोभ-लालच, झूठ-फ़रेब, कायरता
- स्वाभिमान और घमंड में अंतर

(ख) **<u>शिक्षक और शिक्षार्थी</u>**

- आदर्श शिक्षक कौन
- समाज में भूमिका
- शिक्षार्थी का मित्र और पथ-प्रदर्शक
- शिक्षार्थी का कर्तव्य
- दोनों के परस्पर संबंध

6. आपके निकट के अस्पताल में आवश्यक उपकरणों एवं औषधियों के अभाव के कारण रोगियों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 7

अथवा

अपने भाई के विवाह के समस्त आयोजनों का उल्लेख करते हुए अपने विदेशी मित्र को पत्र लिखकर उसे विवाह-समारोह में आमंत्रित कीजिए।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्रत्येक प्रभात सुंदर चीज़ें लेकर उपस्थित होता है, पर यदि हमने कल तथा परसों के प्रभात की कृपा से लाभ नहीं उठाया तो आज के प्रभात से लाभ उठाने की हमारी शक्ति क्षीण होती जाएगी, और यही गति रही तो फिर हम उस शक्ति को बिल्कुल ही गँवा बैठेंगे। किसी विद्वान् ने ठीक ही कहा है कि खोई हुई सम्पत्ति कमख़र्ची और परिश्रम से प्राप्त की जा सकती है, भूला हुआ ज्ञान अध्ययन से प्राप्त हो सकता है, गँवाया हुआ स्वास्थ्य दवा और संयम से लौटाया जा सकता है; परन्तु नष्ट किया हुआ समय सदा के लिए चला जाता है। वह बस स्मृति की एक चीज़ हो जाता है और अतीत की एक छाया-मात्र रह जाता है। ग्लेडस्टन सरीखा प्रतिभाशाली व्यक्ति अपनी जेब में एक छोटी-सी पुस्तक हमेशा लेकर निकलता था। उन्हें चिन्ता रहती थी कि कहीं कोई घड़ी व्यर्थ न चली जाए। तब हम जैसे साधारण मनुष्यों को अपने अमूल्य समय को नष्ट होने से बचाने के लिए क्या नहीं करना चाहिए ? प्रतिभावान् पुरुष समय के छोटे-छोटे टुकड़ों को बचाकर महान हो जाते हैं और अपनी असफलता पर आश्चर्य करने वाले उन्हें यों ही उड़ जाने देते हैं। उन्हें जीवन-भर कभी समय का मूल्य मालूम ही नहीं हो पाता।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ii) समय का लाभ उठाने की शक्ति कब क्षीण हो जाती है ? 1

(iii) नष्ट किया हुआ समय क्यों नहीं लौटाया जा सकता ? 1

(iv) आप अपने अमूल्य समय का सदुपयोग कैसे करते हैं ? 1

(v) प्रभात का लाभ उठाने से लेखक का क्या आशय है ? 1

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जय बोलो उस धीरव्रती की, जिसने सोता देश जगाया,
जिसने मिट्टी के पुतलों को वीरों का बाना पहनाया।
जिसने आज़ादी लेने की एक निराली राह निकाली,
और स्वयं उस पर चलने में जिसने अपना शीश चढ़ाया।
घृणा मिटाने को दुनिया से लिखा लहू से जिसने अपने,
"जो कि तुम्हारे हित विष घोले, तुम उसके हित अमृत घोलो।"
कहीं बेड़ियाँ औ' हथकड़ियाँ, हर्ष मनाओ, मंगल गाओ,
किन्तु यहाँ पर लक्ष्य नहीं है, आगे पथ पर पाँव बढ़ाओ।
आज़ादी वह मूर्ति नहीं है जो बैठी रहती मन्दिर में,
उसकी पूजा करनी है तो नक्षत्रों से होड़ लगाओ।
हल्का फूल नहीं आज़ादी, वह है भारी जिम्मेदारी,
उसे उठाने को कन्धों के, भुजदण्डों के, बल को तोलो।

(i) आपके विचार से धीरव्रती कौन हो सकता है? उसे ही धीरव्रती मानने का आधार बताइए। 1

(ii) उसने आज़ादी लेने की कौनसी निराली राह दिखाई थी ? 1

(iii) आशय स्पष्ट कीजिए — 'नक्षत्रों से होड़ लगाओ' 1

(iv) धीरव्रती ने दुनिया से घृणा मिटाने के लिए क्या उपाय सुझाया था ? 1

(v) आज़ादी की ज़िम्मेदारी उठाने के लिए उसने क्या सन्देश दिया है ? 1

खण्ड घ

9. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+2=8

(क) मैं अपने देश का एक नागरिक हूँ और मानता हूँ कि मैं ही अपना देश हूँ। जैसे मैं अपने लाभ और सम्मान के लिए हरेक छोटी-छोटी बात पर ध्यान देता हूँ, वैसे ही मैं अपने देश के लाभ और सम्मान के लिए भी छोटी-छोटी बातों तक पर ध्यान दूँ, यह मेरा कर्तव्य है और जैसे मैं अपने सम्मान और साधनों से अपने जीवन में सहारा पाता हूँ, वैसे ही देश के सम्मान और साधनों से भी सहारा पाऊँ, यह मेरा अधिकार है। बात यह है कि मैं और मेरा देश दो अलग चीज़ तो हैं ही नहीं!

(i) देश और उसके नागरिक में अभिन्नता का भाव कैसे पैदा होता है ?

(ii) किसी नागरिक के हृदय में अपने देश के लाभ और सम्मान के प्रति जागरूकता कैसे उत्पन्न होती है ?

(iii) देश के प्रति नागरिक के 'कर्तव्य' को स्पष्ट कीजिए।

(iv) लेखक ने नागरिक के 'अधिकार' को कैसे समझाया है ?

अथवा

(ख) दुःख के इस हृदय-मंथन से उन्होंने जो अमृत निकाला, वह उनकी अमर कविता ‘सरोज-स्मृति’ थी। उनकी पत्नी की चिता कहाँ जली थी, उन्हें याद था। प्रथम महायुद्ध के बाद इंफ़्लुएंज़ा से लाशों के कारण गंगा का प्रवाह किस मोड़ पर रुक गया था, यह भी उन्हें याद था। उन्होंने अपना ही दुःख नहीं झेला, दूसरों के दुःख से वे और भी व्यथित हुए। व्यथा ने उन्हें जर्जर कर दिया था। फिर भी अपने से अधिक दूसरों की व्यथा से पीड़ित होकर उन्होंने अपनी अस्वस्थता के दिनों में भी लिखा है — “माँ अपना आलोक निखारो, नर को नरकवास से वारो...”

(i) निराला जी ने अपने जीवन में क्या-क्या दुःख झेले थे ?

(ii) कवि ने ‘सरोज-स्मृति’ क्यों लिखी थी ? उसे अमर कविता क्यों कहा जाता है ?

(iii) कैसे कहा जा सकता है कि निराला दूसरों के दुःख से बहुत व्यथित होते थे ?

(iv) गद्यांश के आधार पर निराला के स्वभाव पर टिप्पणी लिखिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए : 3+3 = 6

(क) “ ‘ठूँठा आम” पाठ में ठूँठा आम उस व्यक्ति का प्रतीक है जो बदलती परिस्थितियों के कारण ठूँठ मात्र बनकर रह गया है” — कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ख) ‘नाख़ून क्यों बढ़ते हैं ?’ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि आधुनिक युग में सुखी एवं सन्तुष्ट जीवन के लिए पुराने और नए का सामंजस्य क्यों आवश्यक है।

(ग) राजस्थान के एक गाँव ‘तिलोनिया’ में स्थित संस्थान के मूल उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए बताइए कि भारत में इस प्रकार के संस्थानों की क्या उपयोगिता है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3+3 = 6

(क) स्कूल-शिक्षक ने ऐसी कौन-सी घटना सुनाई जिसमें दान देने वालों ने दान देकर अपने को धन्य समझा। ‘डायरी के पृष्ठों से’ पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) ‘पूस की रात’ कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि सहना को रुपए देते समय हल्कू के मन पर क्या बीत रही थी।

(ग) ‘खाने-खिलाने का राष्ट्रीय शौक’ के लेखक ने सेठ हीरामल के आगे क्या प्रयोजन रखा और हीरामल ने उस पर क्या प्रतिक्रिया दिखाई ?

12. (क) 'नाख़ून क्यों बढ़ते है' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि 'स्व' का प्रयोग हमारी परंपरा का प्रतीक कैसे है। 3

अथवा

'नींव की ईंट' पाठ में मौन बलिदान को समाज की आधारशिला क्यों कहा गया है ?

(ख) 'खाने-खिलाने का राष्ट्रीय शौक़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को पुजारी के साथ हमदर्दी क्यों जतानी पड़ी। 2

13. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+2=8

(क) सोभा-सिंधु न अंत रही री।
नंद-भवन भरि पूरि उमँगि चलि, ब्रज की बीथिनि फिरति बही री ।।
देखी जाइ आजु गोकुल मैं, घर-घर बेंचति फिरति दही री ।
कहँ लगि कहौं बनाई बहुत बिधि, कहत न मुख सहसहुँ निबही री ।।
जसुमति-उदर-अगाध-उदधि तैं, उपजी ऐसी सबनि कही री ।
सूरश्याम प्रभु इंद्र-नीलमनि, ब्रज-बनिता उर लाइ गही री ।।

(i) 'सोभा-सिंधु' किसे कहा गया है और क्यों ?

(ii) गोपिका ने 'सोभा-सिंधु' की व्यापकता का वर्णन कैसे किया है ?

(iii) उस रूप-राशि का उद्‌गम-स्थल किसे बताया है और क्यों ?

(iv) उपर्युक्त पद में 'प्रभु' किसे कहा गया है ? उसकी तुलना किससे की गई है और क्यों ?

अथवा

(ख) साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।
भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता - भाग्य-विधाता से क्या पाते ?
घूँट आँसुओं का पीकर रह जाते।
चाट रहे झूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।

(i) भिखारी के साथ आए दोनों बच्चे अपने हाथों से क्या व्यक्त करते हैं ?

(i) भीख न मिलने पर बच्चों की क्या दशा हो गई है ?

(iii) दाता को 'भाग्य-विधाता' क्यों कहा है ?

(iv) उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा अंश आपको मर्मस्पर्शी लगता है और क्यों ?

14. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** के काव्य सौन्दर्य सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2+2=8

(क) सहज सुभाय सुभग तन गोरे। नामु लखनु लघु देवर मोरे।।
बहुरि बदनु बिधु अंचल ढाँकी। पिय तन चितइ भौंह करि बाँकी।।
खंजन मंजु तिरीछे नयननि। निज पति कहेउ तिन्हहि सियँ सयननि।।
भइँ मुदित सब ग्रामबधूटीं। रंकन्ह राय रासि जनु लूटीं।।

(i) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों के भाव-सौन्दर्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ii) सीताजी ने अपने पति का परिचय जिस प्रकार दिया, उसके भाव-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

(iii) 'सहज सुभाय सुभग तन गोरे' और 'बहुरि बदनु बिधु अंचल ढाँकी' में आए दो अलंकारों को स्पष्ट कीजिए।

(iv) उपर्युक्त काव्यांश किस भाषा और किस छंद में रचा गया है ?

अथवा

(ख) कीनैं हुँ कोरिक जतन, अब कहिं काढ़ै कौनु।
भो मन मोहन-रूप मिलि, पानी में कौ लौनु।।
मरतु प्यास पिंजरा पर्‌यौ, सुआ समै कैं फेर।
आदरु दै-दै बोलियतु, बायसु बलि की बेर।।

(i) उपर्युक्त काव्यांशों के भाव-सौन्दर्य की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) पहले और दूसरे काव्यांश में प्रयुक्त किन्हीं दो अलंकारों के नाम लिखिए।

(iii) दोनों काव्यांशों के छन्द तथा भाषा का नाम लिखिए।

(iv) इन काव्यांशों में प्रयुक्त भाषा की दो विशेषताएँ बताइए।

15. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 3

(i) 'प्रतीक्षा' कविता में पौधे के बढ़ने और फूलने-फलने की प्रक्रिया के द्वारा मानव-जीवन के विकास के सम्बन्ध में क्या संकेत मिलता है ?

(ii) कवि 'चुनौती' कविता द्वारा क्या संदेश देना चाहता है ?

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3

(i) 'एक अजीब दिन' कविता में दिन-विशेष को 'एक अजीब दिन' क्यों कहा गया है?

(ii) 'मैं वहाँ हूँ' कविता में 'सेतु' किन-किन को जोड़ने का कार्य कर रहा है ?

17. तुलसीदास **अथवा** जगदीश गुप्त का जीवन-परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए और किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए। 3

18. 'मधु संचय' के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×3 = 6

(क) 'कोटर और कुटीर' कहानी के आधार पर बताइए कि भूखे बुद्धन को तृप्ति का अनुभव क्यों हुआ।

(ख) 'सुभाष चन्द्र बोस का पत्र एन.सी. केलकर के नाम' पाठ के आधार पर बताइए कि लोकमान्य तिलक को अपने छह वर्ष के जेल-जीवन के दौरान किन-किन शारीरिक और मानसिक यंत्रणाओं से गुज़रना पड़ा।

(ग) 'काश, मैं मोटर साइकिल होता' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक को यह क्यों लगा कि उसकी मोटर साइकिल की किस्मत उससे अधिक अच्छी है।

(घ) 'ऋण-शोध' कहानी में आशुतोष काका अपने सारे रिश्तों की मजबूरी का नाम क्यों देते हैं ?

19. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : 4

(क) अपनी सल्तनत छिनती देखकर भी बादशाह सलामत ने कोई क़दम क्यों नहीं उठाया? इससे अन्तिम मुग़ल बादशाहों की क्या तस्वीर उभरती है ? 'मुगलों ने सल्तनता बख़्श दी' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'समानांतर सरल रेखाएँ' पाठ के आधार पर 1942 के दौर की उस घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए जिसने नारायण बाबू के देश-प्रेम के स्थिर पात्र को हिलाकर रख दिया।